प्रिय अभ्यार्थी,

→ प्रेमचंद की कहानी कला में **शिल्प पक्ष** पर अधिक ध्यान देना।

शिल्प पक्ष में (80%)
- → भाषा-शैली
- → चरित्र
- → संवाद/कथोपकथन
- → वातावरण

इन तत्वों पर अधिक ध्यान दें।

· संवेदना — (20%)

→ हिन्दी कहानी में प्रेमचंद का महत्व —

- इसमें प्रेमचंद द्वारा हिन्दी कहानी परम्परा में प्रेमचंद पूर्व युग के बाद क्या परिवर्तन किया गया —
    - उद्देश्य के स्तर पर
    - घटनाओं के स्तर पर

† कथानक के स्तर पर।

→ तत्पश्चात् विकर्ष में कुछ महत्वपूर्ण पँक्ति को शामिल कर लिखें। जैसे —

" प्रेमचंद के हिन्दी कहानी धारा की 'कर्मभूमि' ही नहीं बदली बल्कि उसका 'कायाकल्प' कर दिया।"

Date 31/07/2025

Time 3:00pm 5:45pm

Name : Pradeep

Hindi Lit. (Video Batch-11) : Sheet No. –145

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

अभ्यास के लिये आज का प्रश्न (Practice question for today)

प्रेमचंद की कहानी कला पर प्रकाश डालते हुए हिंदी कहानी में प्रेमचंद का महत्त्व बताइए। (150 शब्द, 10 अंक)

प्रेमचंद ने अपने 20 वर्ष के लेखन काल में (1915-1936) लगभग 300 कहानियाँ लिखी। माना जाता है कि उन्होंने सिर्फ 20 वर्षों के लेखन काल में कहानी के परिपक्वता को एक ऊँची उड़ान दी।

भूमिका में विवरण ठीक है।

हिंदी कहानी में प्रेमचंद का महत्त्व निम्नलिखित कारणों से है :—

(i) प्रेमचंद पूर्व हिंदी कहानी आदर्शों, उपदेशों और मनोरंजन तक सीमित थी जैसे कि- 'एक जमींदार का दृष्टांत', 'रानी केतकी की कहानी' आदि ; प्रेमचंद ने इस कहानी परंपरा को यथार्थवाद से जोड़ा और देखते ही देखते हिंदी कहानी भारत की ग्रामीण, कृषक, वंचित समाज की प्रतिनिधि करने लगी जैसे कि- 'सद्गति', 'कफन', 'बड़े घर की बेटी'।

(ii) प्रेमचंद से पूर्व हिंदी कहानियों का विषय वैविध्य सीमित था जैसे कि- 'देश प्रेम', प्रेमचंद ने अपने कहानियों में तत्कालीन भारतीय समाज की हर समस्या को

अच्छे विश्लेषण के लिए पहले कहानी कला को विस्तार से बताइए तत्पश्चात कहानी में प्रेमचंद का महत्त्व लिखिए।

दृष्टि The Vision

कृपया इस स्थान में प्रश्न संख्या के अतिरिक्त कुछ न लिखें। (Please do not write anything except the question number in this space)

कृपया इस स्थान में कुछ न लिखें। (Please don't write anything in this space)

उठाया जैसे कि - 'बूढ़ी काकी' (वृद्धों की समस्या), 'कफन' (गरीबी और भुख की समस्या) आदि।

(iii) शिल्प के स्तर पर देखे तो पहले चरित्र प्रायः एक आयामी और अस्वाभिक होते थे किंतु प्रेमचंद के चरित्र कहानी के चरित्र सहज और स्वभाविक है; 'कफन' के घीसू, माधव इसका सर्वोत्तम उदाहरण है।

(iv) प्रेमचंद ने अपनी कहानी में 'हिंदुस्तानी शैली' का अधिकांश प्रयोग किया जिससे वह ग्रामीण समाज तक पहुँच सके जैसे ('पूस की रात', 'ईदगाह' आदि)

(v) प्रेमचंद ने हिंदी कहानियों में आम आदमी के सहज मनोविज्ञान का प्रयोग किया और किउनके कहानी - 'गुल्ली डण्डा' (मध्यवर्गीय मनोविज्ञान), 'नया विवाह' (स्त्री मनोविज्ञान) आदि में दिखाई देता है।

उपर्युक्त विवरणों से यह परिलक्षित होता है कि "प्रेमचंद ने हिंदी कहानी की कर्मभूमि ही नहीं बदली उसका कायाकल्प भी कर दिया।"

शिल्प पक्ष को अधिक विस्तार देकर लिखे

निष्कर्ष ठीक है

5/10